वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 172 | सोमवार 17 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सदी के सबसे बड़े जैन पंचकल्याणक का आयोजन

1143 प्रतिमाओं की होगी प्राण प्रतिष्ठा, 16 स्वप्नों के दिखाए जाएंगे मनोरम दृश्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

पूज्य कानजी स्वामी की प्रेरणा से निर्मित, ज्ञान प्रचार में सदैव अग्रणीय दिगम्बर जैन धर्म की सुप्रसिद्ध संस्था पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट जयपुर के निर्देशन में कुंदकुंद कहान दिगंबर जैन शासन प्रभावना ट्रस्ट के द्वारा आध्यात्मिक सत्पुरुष कानजी स्वामी के पुण्य प्रभावना योग में नवनिर्मित विशालतम जिनालय ढाईदीप जिनायतन इंदौर में सदी के सबसे बड़े ऐतिहासिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन होने जा रहा हैं। जिसमें 1143 दिगम्बर जिनबिम्बों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। 20 जनवरी शुक्रवार से गुरुवार 26 जनवरी 2023 तक संपन्न होने वाला आदिनाथ दिगंबर जैन पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव जैन समाज का एक आदर्श एवं अनुकरणीय पंचकल्याणक होगा। यह पंचकल्याणक जैन समाज में संपन्न में सभी पंचकल्याकों में सबसे महान एवं विशाल होगा।

9 दुर्गा-मंदिर दर्शन कर राजे का पॉलिटिकल मैसेज: कहा...

तैयार हो जाओ, पसीना बहाने का वक्त आ गया

जयपुर. कासं

पूर्व सीएम और बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे चुनाव मोड पर आ गई हैं। राजस्थान में राजे लगातार देवदर्शन तो कर ही रही हैं। शनिवार को शाकम्भरी मंदिर सीकर में पूजा-दर्शन किए। कार्यकर्ताओं से कहा- 'तैयार हो जाओ, अब पसीना बहाने का वक्त आ गया है।' इसे राजस्थान की सियासत में वसुंधरा राजे का बड़ा मैसेज माना जा रहा है। आम जनता से जुड़ाव के लिए फिटनेस और हेल्थ के पब्लिक प्रोग्राम भी अटैंड कर जनता में मैसेज दे रही हैं। सुबह उन्होंने जयपुर में महिलाओं की पिंक पावर रन को फ्लैग ऑफ किया। ब्रेस्ट कैंसर के लिए गर्ल्स और महिलाओं में जागरूकता लाने के लिए यह रन हुई। इसमें वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। इसके बाद वसुंधरा राजे ने सेंट्रल पार्क में जॉगिंग की। वॉक पर घूमने आने वाले लोगों से पार्क में हाल-चाल पूछे और पब्लिक को हेल्थ अवेयरनेस और फिटनेस का मैसेज भी दिया। वसुंधरा राजे ने सेंट्रल पार्क में वॉक करते हुए अपने वीडियो संदेश में कहा- एक्सरसाइज सबके लिए है। लोग कहते हैं कि हेल्थ से इम्पॉर्टेंट और कुछ चीज नहीं है।

स्टूडेंट्स को फ्री इंटरनेट के साथ टैबलेट देगी सरकार

93 हजार स्टूडेंट को मिलेंगे, ग्रामीण ओलिंपिक खेलों में सीएम गहलोत ने की घोषणा

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश के 93 हजार होनहार स्टूडेंट्स को गहलोत सरकार 3 साल फ्री इंटरनेट के साथ स्मार्ट टैबलेट देगी। 8वीं, 10वीं और 12वीं में नंबरों के आधार पर होनहार बच्चों को टैबलेट बांटे जाएंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ग्रामीण ओलिंपिक खेलों के स्टेट लेवल मुकाबलों की शुरूआत के मौके पर रविवार को एसएमएस स्टेडियम में इसकी घोषणा की। गहलोत ने कहा- पिछले कार्यकाल में हमारी सरकार ने होनहार स्टूडेंट को लेपटॉप दिए थे।

जिससे स्टूडेंट्स को आईटी की शिक्षा मिल सकी। पिछली सरकार ने इस योजना को बंद कर दिया था। युवाओं के हित में हम फिर इस योजना को शुरू कर रहे हैं। बीते 3 साल में कोविड के कारण इनका वितरण नहीं हो सका, इसलिए करीब 93,000 बच्चों को इस साल टैबलेट बांटे जाएंगे। इससे पहले दुनिया के इतिहास में पहली बार आयोजित हुए ग्रामीण ओलिंपिक का फाइनल मुकाबला आज से शुरू हो गया। तीन दिवसीय फाइनल मुकाबले की शुरूआत मुख्यमंत्री गहलोत ने की। इस दौरान राजस्थान के 33 जिलों की 330 टीमों के 3 हजार 696 खिलाड़ी मौजूद रहे। 3 दिन तक चलने वाले फाइनल मुकाबलों के बाद विजेता टीमों को 7 लाख 20 हजार रुपए के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके बाद शहरी ओलिंपिक 26 जनवरी से शुरू किया जाएगा। खेल मंत्री अशोक चांदना ने बताया कि ग्रामीण ओलिंपिक में हर उम्र के राजस्थानी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। ऐसे में अब हर साल ग्रामीण ओलिंपिक का आयोजन किया जाएगा। जिससे राजस्थान की गांव-ढाणी में रहने वाली प्रतिभा को मंच मिल सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण ओलिंपिक की तर्ज पर अब शहरी ओलिंपिक का आयोजन भी किया जाएगा।

उत्सव हमारे जीवन में भरते हैं रंगः दवे

लायंस क्लब वेस्त्वका डांडिया उत्सव

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। उत्सव व त्योहार जीवन में उल्लास एवं उमंग भरते हैं। विभिन्न पर्व मनाने का यही मकसद है कि हमे नई ऊर्जा मिलती रहे। जीवन नीरस नही हो। उक्त विचार पूर्व प्रांतपाल लायन ओ एल दवे ने लायंस क्लब अजमेर वेस्ट द्वारा आयोजित डांडिया उत्सव के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि के रूप में कहे। लायंस मार्केटिंग के डिस्ट्रिक चेयरपर्सन लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि मुख्यातिथि द्वारा मां दुर्गा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन अमितप्रभा शुक्ला, सचिव लायन प्रदीप बंसल, कोषाध्यक्ष लायन राकेश शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन वी के पाठक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक लायन दिनेश सहारा, लायन हेमंत अग्रवाल, लायन अनुपम गोयल थे। मंच संचालन लायन सोमरत्न आर्य ने किया। इस दौरान पहला राउंड महिलाओ का, दूसरा राउंड बच्चो का, तीसरा राउंड कपल का हुआ। तत्पश्चात आखिरी राउंड सामूहिक हुआ। श्रेष्ठ कपल, श्रेष्ठ डांडिया, श्रेष्ठ ड्रेस, श्रेष्ठ चाइल्ड, श्रेष्ठ महिला को पुरस्कृत किया गया । अंत में लायन सीमा पाठक ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर लायन आभा गांधी, लायन अंशु बंसल, लायन सुशील गोयल, लायन वीना उप्पल, लायन हीरामणि पाठक, लायन प्रवीण गुप्ता, लायन राजेंद्र गांधी सहित अन्य उपस्थित थे। ये रहे विजेता-गरबा क्वीन-लता शर्मा, मिस्टर गरबा- हेमंत गुप्ता, वेस्ट ड्रेस -खुशी अग्रवाल, बेस्ट ड्रेस पुरुष-अनिल उदासी, बेस्ट डांस-आस्था शुक्ला, बेस्ट डांस पुरुष - शौर्य शर्मा, बेस्ट चाइल्ड-यज्ञांश, पीहू, नलिन गोयल, बेस्ट कपल-सोमरत्न एवं वंदना आर्य, सांत्वना - संदीप वंदना त्रिवेदी, बेस्ट डांडिया डेकोरेशन - राकेश वर्मा

"मंत्र जपो नवकार...." जाप्यनुष्ठान में गूंजा णमोकार महामंत्र जाप

युवाओं ने भजन-भक्ति के साथ किया मासिक णमोकर महामंत्र जाप का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ द्वारा रविवार को रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक मासिक णमोकर महामंत्र जाप के माध्यम से शुभारंभ किया गया। यह जाप्यनुष्ठान हर महीने संगठन से जुड़े सदस्यों और पदाधिकारियों के निवास स्थान पर आयोजित किया जाएगा। रविवार को मानसरोवर संभाग कार्यकारिणी सदस्य सुदर्शन पाटनी के निवास स्थान पर किया गया। जिसमें संगठन से जुड़े सभी सदस्यों ने भाग लिया और भजन-भक्ति व श्रद्धाभाव के साथ "**णमोकार महामंत्र जाप**" का गुणगान किया। कार्यक्रम संयोजक अनंत जैन और प्रियंका अजमेरा ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना महामारी के चलते विगत ढाई वर्षो मासिक णमोकर महामंत्र जाप के कार्यक्रम पर विराम लग गया था, अब स्थिति सामान्य होने के चलते पुनः संगठन ने मानसरोवर संभाग से मासिक णमोकर महामंत्र जाप का शुभारंभ किया है। जिसमें संगठन और समाज से जुड़े बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने णमोकर महामंत्र का गुणगान करने के साथ ही मंत्र जपों नवकार रे मनवा ..., णमोकार मंत्र, भगवान मेरी नैया उस पार लगा देना हम भटके रही है हमें सन्मार्ग दिखा देना .... आदि भजनों का गुणगान कर सभी श्रावक और श्राविकाओं ने भगवान महावीर स्वामी की सामूहिक आरती कर, पंचपरमेष्ठी का गुणगान किया। जाप्यनुष्ठान आयोजन के दौरान संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू, राष्ट्रीय प्रवक्ता मयंक जैन, कोषाध्यक्ष सीए मनीष छाबड़ा, प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद बाकलीवाल, प्रदेश महामंत्री कुणाल काला, मंत्री निशांत जैन, जिला महामंत्री रक्षित जैन आदि सहित मानसरोवर व किशनपोल संभाग के सदस्य शामिल हुए।

190 जरूरतमंद परिवारों को राशन व मिठाई का वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री अग्रवाल समाज सेवार्थ ट्रस्ट समय-समय पर जरुरतमंदो को राशन वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित कर समाज सेवा के प्रति अपना दायित्व निभा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को आगरा रोड स्थित श्री अग्रसेन कटला, अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में 190 जरूरतमंद परिवारो को राशन वितरण किया गया । साथ ही दिवाली पर्व को देखते हुए मिठाई का वितरण भी किया। श्री अग्रवाल समाज सेवार्थ ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी चन्द्रप्रकाश भाड़ेवाला ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों से यह वितरण हर महिने की दूसरे रविवार को किया जाता है, ताकि इस वितरण के माध्यम से जरूरतमंद परिवारो की सेवा हो सके। इस मौके पर महामंडलेश्वर बाल मुकुंदाचार्य, बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ओमप्रकाश ईटोंवाला, चन्द्र प्रकाश राणा एमएस बांधणी वाले, सुभाष महालक्ष्मी साड़ी वाले, कैलाश मित्तल, अरविन्द्र मणकसिया, ट्रस्टी महेश अग्रवाल परफेक्ट ज्वैलर्स वाले, नारायण जी चावल वाले, दीनदयाल गर्ग डेरेवाला, सीए सुमित अग्रवाल, श्री अग्रवाल समाज समिति के महामंत्री जगदीश नारायण ताड़ी, ओपी गुप्ता, कमल नानूवाला, अजय अग्रवाल बीलवाडी वाले, अभिषेक दवाई वाले, राजू अग्रवाल आरसी वाले, सुरेश पोद्दार, निशांत केडिया व अरविंद मैमिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अंत में ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी चन्द प्रकाश भाड़ेवाला ने इस अतुलनीय कार्य में सहयोग के लिए सभी भामाशाहो का आभार जताया।

हम कितने ही बड़े बन जाएं पर अतित तो याद आएगा ही: आचार्य श्री सुनील सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में आचार्य गुरुवर सुनील सागर महा मुनिराज अपने संघ सहित भट्टारक जी की नसिया में चातुर्मास हेतु विराजमान है। प्रातःभगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ, उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे बाहर से आए सभी श्रावकों ने तथा पुखराज पहाड़िया पूर्व जिला प्रमुख अजमेर एवं रविंद्र बज तथा अजमेर चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष एवं मंत्री ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया, मंगलाचरण भूपेन्द्र जैन गोरेगांव ने तथा मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि अजमेर व निवाई से पधारे समाज बन्धुओं ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण किया और निवाई समाज ने गुरुदेव से शीत कालीन वाचना हेतु निवेदन किया । अजमेर समाज ने आचार्य श्री से अगले चातुर्मास हेतु निवेदन किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया धर्म सभा में आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन पुखराज , प्रीतम पहाड़िया पीसांगन अजमेर परिवार ने किया। पूज्य गुरु देव को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। पूज्य आचार्य भगवंत ने अपनी वाणी से पर कल्याण की भावना से उद्बोधन देते हुए कहा कि किसी ने बर्फ से पूछा तुम इतने ठंडे क्यों हो। बर्फ ने कहा मेरा अतीत पानी है भविष्य भी पानी है फिर गर्मी किस बात की। हमें इस बात पर चिंतन करना है कि हम कितने ही बड़े बन जाएं पर अतीत तो याद आएगा ही, वास्तव में आपका व्यवहार ही आपकी पहचान है। वरना आपके नाम के तो हजारों लोग दुनिया में हैं। बहुत प्राचीन है जैन समाज। इतिहास जब इसका उठाकर देखा जाए तो हमें एक बात आवश्यक रूप से समझनी है कि हम पहले इंसान बने।

वेद ज्ञान

संसार और संन्यास

संसार के आकर्षण से बंधे रहने के कारण व्यक्ति संसारी माना जाता है। इसके आकर्षण से मुक्त हो जाने वाला ही संन्यासी है। वह रहेगा संसार में ही, किंतु कमलवत। कमल जल में रहकर भी जल से संपृक्त नहीं होता। यही हाल है संन्यासी का। वह जंगलों में जाए या संसार से दूर रहने लगे, किंतु वहां भी वह घर, परिवार, कार्य-व्यापार का ही चिंतन करता रहे तो उसे संन्यासी नहीं माना जाएगा। क्योंकि अब भी उसके मन में तृष्णा बाकी है। संन्यासी का मन यदि पूर्णरूपेण विरक्त हो जाए तो वह वन में रहे अथवा परिवार में, वह सचमुच संन्यासी बन सकेगा। संसार में रहने वाले व्यक्ति के लिए महात्मा गौतम बुद्ध का मानना है कि उसे माया, मोह, वासना और लोभ आदि नकारात्मक प्रवृत्तियां सताती रहेंगी। वह संन्यासी बनने का कितना भी प्रयास करे, लेकिन उसमें कभी सफल नहीं हो सकेगा। महात्मा बुद्ध यह भी कहते हैं कि चार आर्य सत्य हैं। आर्य का अर्थ यहां श्रेष्ठ से है। इन चार आर्य सत्यों का अनुभव हमें संसार में रहकर ही होता है। ये हैं-दुख है, दुख का कारण है, कारण से मुक्त होने का उपाय है और चौथा है कि निदान हो गया तो सुख मिल गया। यह वास्तव में निर्वाण की अवस्था है। पुनर्जन्म से मुक्त हो जाना है। हालांकि निर्वाण या मोक्ष संन्यास नहीं है, लेकिन इस मोक्ष के द्वारा आप समस्त सांसारिक बंधनों से मुक्त तो हो ही जाते हैं। यह संन्यास का सबसे उत्कृष्ट रूप है। हमारा मन इतना चंचल है कि हम कहीं भी भागकर जाएं वह फिर-फिर उसी पदार्थ के चिंतन में लगा रहता है, जिसके चलते हमने संसार का त्याग किया है। अब तक दुनिया में जितने भी सद्गुरु हुए और हैं, सबने इसी मन के जीतने और वश में करने की बात कही है। चाहे वह कृष्ण हों, बुद्ध हों, क्राइस्ट हों, मोहम्मद हों या नानक, कबीर। मनुष्य संसार के सभी व्यक्तियों की संपदा पर अधिकार कर ले, किंतु जब भी हारता है तो अपने मन से हारता है। यही मन हमें संसार से जोड़ता है। यही मन हमें संन्यास से जोड़ता है। यही मन सुख-दुख का अनुभव कराता है। इसीलिए सभी गुरुओं ने मन को वश में करने का उपदेश दिया। इसलिए माना जाता है कि संसार में रहकर भी आप संन्यासी हो सकते हैं, लेकिन शर्त यही है कि फिर कमलवत हो जाएं। मन और इंद्रियों के वश में न रहें। मन को वश में करके दुनिया के सभी प्रलोभनों से यदि आप मुक्त हो जाते हैं तो संन्यासी बनने का मार्ग सहज ढंग से खुल जाता है।

संपादकीय

वायु प्रदूषण पर काबू पाने के लिए सख्त कदम

एक बार फिर दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण पर काबू पाने के लिए सख्त कदम उठाया है। दशहरे के बाद हवाओं में नमी उतरनी शुरू हो जाती है, जिसके चलते धूल और धुएं की परत धरती की सतह के करीब सघन होने लगती है। इस वजह से हर साल दिल्ली में लोगों को सांस संबंधी परेशानियां बढ़ जाती हैं। कई बार स्कूल आदि बंद करने पड़ते हैं। लोगों को सुबह और शाम की सैर के लिए निकलने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में सरकार का समय रहते सतर्क होना अच्छी बात है। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने आदेश जारी किया है कि दिवाली के बाद जिन वाहनों के पास प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र यानी पीयूसीसी नहीं होगा, उन्हें पेट्रोल-डीजल न दिया जाए। यह निर्देश दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों को जारी कर दिया गया है। अगर किसी वाहन का पीयूसीसी नहीं होगा, तो उसका पंजीकरण रद्द किया जा सकता है, दस हजार रुपए का अर्थदंड, तीन साल का कारावास या दोनों लगाया जा सकता है। हालांकि यह नियम नया नहीं है। बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के दिल्ली में वाहन चलाना दंडनीय अपराध है, मगर इसे दिल्ली सरकार ने सख्ती से लागू किया है। देखना है, इस सख्ती का कितना लाभ मिल पाता है। सर्दी में दिल्ली में वायु प्रदूषण चिंताजनक स्तर तक बढ़ जाता है। इससे पार पाने के लिए दिल्ली सरकार कई उपाय आजमा चुकी है। कुछ साल पहले सम-विषम योजना लागू की गई थी, ताकि सड़कों पर वाहनों की संख्या कम की जा सके। फिर कुछ इलाकों में धूल-धुआं यानी स्माग सोखने वाले संयंत्र लगाए गए। लगातार लोगों से अपील की जाती है कि वे अगर दफ्तर आने-जाने के लिए साझा यात्रा करें तो प्रदूषण में कमी लाई जा सकती है। वायु प्रदूषण कम करने में नागरिकों से अपना योगदान देने की गुजारिश की जाती है। इस मामले में बहुत सारे लोग अपने नागरिकबोध का परिचय भी देते हैं। मगर इन सबके बावजूद वायु प्रदूषण पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। इसीलिए सरकार को एक और कड़ा कदम उठाना पड़ा है। मगर इससे वायु प्रदूषण में कितनी कमी आएगी, इसका कोई ठीक-ठीक दावा नहीं किया जा सकता। प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र तो पहले भी लोग लेते ही रहे हैं, अंतर बस इतना आएगा कि जो लोग थोड़े लापरवाह थे, वे सतर्क हो जाएंगे। बाहर से आने वाले वाहनों पर भी सख्ती बरती जाएगी, लेकिन उनमें से भी बहुत सारे वाहन जो रोज या अक्सर दिल्ली आते हैं, वे यह प्रमाणपत्र लेते ही हैं। वायु प्रदूषण से पार पाने के लिए बाहर से आने वाले भारी वाहनों का दिल्ली में प्रवेश पहले ही बंद था, कुछ दिनों पहले दिल्ली सरकार ने सर्दी भर पूरी तरह बंद कर दिया, जिसे लेकर दिल्ली के व्यापारियों ने एतराज भी जताया था। यह सही है कि दिल्ली की आबोहवा खराब करने में वाहनों की प्रमुख भूमिका है, मगर उन्हें नियंत्रित करने के लिए कोई व्यावहारिक उपाय सोचने की जरूरत है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बेलगाम पुलिस

कायदे से जब कोई पुलिस टीम किसी दूसरे राज्य में अपराधियों की धर-पकड़ के लिए जाती है, तो उसे वहां की पुलिस को पहले सूचित करना पड़ता है। मगर उत्तर प्रदेश पुलिस ने ऐसा नहीं किया। उत्तर प्रदेश पुलिस आए दिन अपनी मनमानी कार्रवाइयों को लेकर खबरों में बनी रहती है। अपराध मिटाने के नाम पर वह सारे नियम-कायदों को ताक पर रखने से भी गुरेज नहीं करती। अब उस पर उत्तराखंड पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह भी विचित्र है कि एक राज्य की पुलिस पर दूसरे राज्य की पुलिस आपराधिक मुकदमा दर्ज करे। हालांकि दोनों राज्यों में एक ही राजनीतिक दल की सरकार है। मगर मामला कुछ ऐसा संगीन है कि उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरूरत पड़ी। दरअसल, पिछले दिनों मुरादाबाद में खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस के साथ माफिया की हिंसक झड़प हो गई थी। उसी मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने आरोपियों की धर-पकड़ शुरू की। उसे सूचना मिली थी कि उनमें से एक इनामी बदमाश उत्तराखंड के काशीपुर में छिपा हुआ है। फिर उत्तर प्रदेश की एक टीम सूचना वाले ठिकाने पर पहुंची और घर में घुस गई। मकान मालिक के रोकने के बावजूद सीधा गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें घर की मालकिन को गोली लगी और उसने दम तोड़ दिया। तब तक भीड़ जुट गई और उसने चार पुलिस कर्मियों को पकड़ लिया। मकान मालिक भी रसूखदार व्यक्ति है। उसने उत्तराखंड पुलिस में इस घटना की शिकायत दर्ज कराई, उसी आधार पर उत्तर प्रदेश के पुलिस कर्मियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। कायदे से जब कोई पुलिस टीम किसी दूसरे राज्य में अपराधियों की धर-पकड़ के लिए जाती है, तो उसे वहां की पुलिस को पहले सूचित करना पड़ता है। मगर उत्तर प्रदेश पुलिस ने ऐसा नहीं किया। उसे आनन-फानन कार्रवाई करना इतना जरूरी लगा और उसे अपनी कार्यशैली पर इतना भरोसा था कि घर में घुस कर पुलिस ने गोली चलानी शुरू कर दी। शायद उसे इस बात का इल्म नहीं कि किसी रिहाइशी मकान में घुस कर बिना किसी चेतावनी और घर को खाली कराए बगैर, जब तक बेहद जरूरी न हो, हथियार का इस्तेमाल नहीं किया जाता। वे ऐसे किसी खूंखार अपराधी या आतंकवादी को पकड़ने नहीं गए थे और न उन पर कोई हमला हुआ था, जिसके जवाब में उन्हें गोली चलानी पड़े। फिर उन्होंने सामान्य तरीके से तलाशी लेना क्यों उचित नहीं समझा। हालांकि यह पहली घटना नहीं है, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस ने गोली दाग कर अपराधी को पकड़ने का प्रयास किया। लखनऊ में कार में बैठे एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के कर्मचारी को भी बिना किसी चेतावनी के इसी तरह गोली मार दी गई थी। गोरखपुर के एक होटल में रुके व्यवसायी को अपराधी होने के शक में पीट-पीट कर मार डाला गया था। ऐसी अनेक घटनाएं हैं। पुलिस को तभी गोली चलाने का अधिकार है, जब उस पर कातिलाना हमला हो। गोली चलानी भी पड़े तो कमर के नीचे निशाना लगाना होता है, न कि शरीर के ऐसे हिस्से में जिससे मौत निश्चित हो। क्या उत्तर प्रदेश पुलिस को ऐसा बुनियादी प्रशिक्षण भी नहीं है? फिर उसमें और पेशेवर अपराधी में क्या अंतर है?

मुरेना में श्री सिद्धचक्र विधान हेतु श्रीफल भेंट

विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान में सान्निध्य हेतु जैन साधु-साध्वियों को श्रीफल अर्पित किए गए। विधान आयोजन समिति के मुख्य संयोजक अनूप जैन भण्डारी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मन्दिर मुरेना में सकल समाज के सहयोग से नायक परिवार गढ़ी वालों द्वारा मुनिश्री अजितसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में 01 नबम्बर से 09 नबम्बर तक श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया जा रहा है। विधान के निर्विघ्न सफलता की कामना हेतु मुरेना में मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान, टिकटोली में श्री शांतिनाथ भगवान, ज्ञानतीर्थ पर श्री आदिनाथ भगवान एवं साधु साध्वियों का सान्निध्य प्राप्ति करने वाबत टिकटोली में चातुर्मासरत मुनिश्री अजितसागर जी महाराज ससंघ को श्रीफल भेंटकर मुरेना आगमन हेतु निवेदन किया । मुनिश्री ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहाकि आपका कार्य निर्विघ्न सफलता पूर्वक सम्पन्न हो। आप जिस भावना से यहां आए हैं वह साकार हो । विधान के संदर्भ में मुनिश्री एवं समाज के गणमान्य साधर्मी बन्धुओं व आयोजन समिति मध्य काफी देर तक चर्चा हुई। ज्ञानतीर्थ पर परमपूज्य गुरुवर सराकोद्धारक समाधिस्थ षष्टपट्टाचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के श्री चरणों में भी श्रीफल अर्पित किया। मुरार में चातुर्मासरत गणिनी आर्यिका आर्षमति माताजी एवं ज्ञानतीर्थ मुरेना में क्षुल्लिका अक्षतमति माताजी को सान्निध्य प्राप्ति हेतु श्रीफल अर्पित किया गया । पूज्य आर्यिका माताजी ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहाकि अच्छे मन से किया गया हर कार्य सफलता के सोपान तय करता है। नायक परिवार के असीम पुण्योदय से सिद्धों की आराधना करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। श्रीफल भेंट करते समय राजेन्द्र भण्डारी, सुरेशचंद बाबूजी, पंकज मेडिकल, मनोज जैन बरेह, डॉ. मनोज जैन, सुनील भण्डारी, नीलेश जैन, विमल जैन, राजेन्द्र जैन, नितिन जैन, प्रवीण पिंचू, सुनीत ठेकेदार, संदीप ठेकेदार, जिनेश जैन, राजेन्द्र दयेरी, निर्मल जैन अम्बाह, मोहित नन्दू, जयचंद, सूरज जैन, अनिल जैन, पदमचंद जैन सहित पुण्यार्जक गढ़ी वाले नायक परिवार के सभी परिजन उपस्थित थे।

दान के बिना आज तक कोई अमीर नहीं बना

इस हाथ लिजे साथ दीजे इस तरह का दान करें: मुनि पुगंव श्री सुधासागर जी महाराज

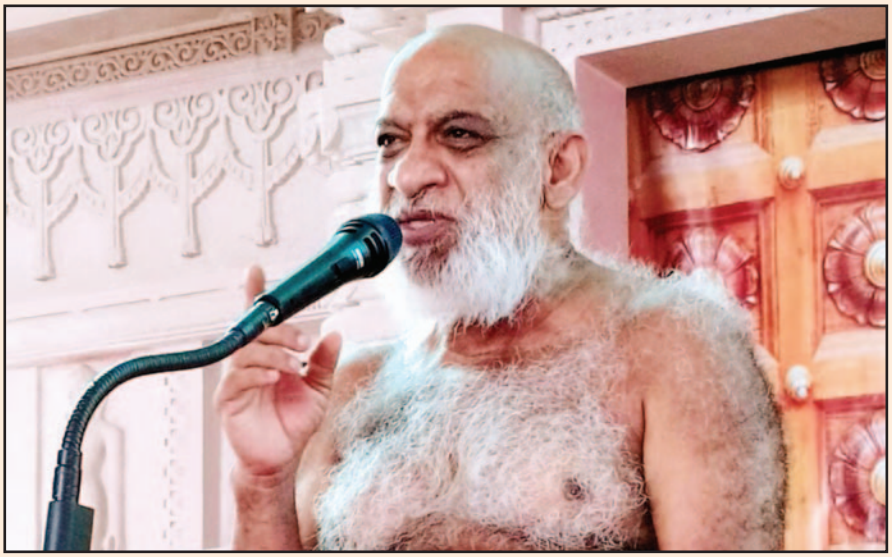

ललितपुर. शाबाश इंडिया

जैसा तुमने यहां किया है वैसा ही तुम्हारे लिए मिलेगा इसमें कुछ भी बदलाव नहीं होगा कलश कभी खाली हाथ स्थापित मत करना जो समय सीमा बाँधी है उसके अनुसार राशि भेंट करना कलश का पैसा तो मन्दिर का लगा है खाली हाथ कलश घर में प्रवेश नहीं करना इस हाथ लिजे साथ दीजे दान के लिए कहा गया कि इस हाथ से दिये दान का दुसरे हाथ को भी पता ना लगे मंगल कलश आदि का आपको लाभ और पूरा फल जब ही मिलेगा जब आप दान की राशि मन्दिर में भेंट कर दें । तब ही दान आपको फलेगा उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने ललितपुर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

जिज्ञासा समाधान में सुनाये संस्मरण

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि मुनिश्री ने जिज्ञासा समाधान में कहा कि पुण्य और पाप दोनों एकसी बेडी नहीं है सोने की बेड़ी को कोई सुनार भी कुछ सोना लेकर निकाल सकता है। सोना यानी पुण्य लेकर आओगे तो गुरु भी शरण दे देंगे चक्रवर्ती पुण्य लेकर आये और गुरु से दीक्षा देने का आग्रह करने लगे तो पुण्यवान को शरण दे देंगे वहीं पापी को कोई शरण तक नहीं देता। उन्होंने कहा कहाकि एक बार सन 1995 की बात है अशोक पाटनी आये और चर्चा में कहने लगे कि महाराज जी ऐसी माइंस मिली है कि सात पीढ़ी भी इस माइंस को नहीं खोद पायेगी इतना मार्बल है इसमें। सूरत चातुर्मास के समय विहार करते हुए राज नगर उदयपुर के उस स्थान से निकलते हुए रुकें उस स्थान पर अशोक पाटनी ने पांच करोड़ का आफिस बनाया था उसे दिखाते हुए कहते हैं कि इस आफिस को हटाकर खुदाई करना जिस माइंस की बात पहले बताई थी वह तो पुरी खुद गई ये सन 2005 की बात होगी। ऐसा पुण्य कहा से आता है ये कहां का पुण्य आया ये ऐसा ही है कलश बाद में लेंगे पैसे पहले देंगे कलश बाद स्थापित करेंगे। पहली बोली लेकर आखरी कलश स्थापना करते थे। आज तक दुनिया में कोई व्यक्ति दान के बिना अमीर नहीं बना और ना बनेगा ये सिद्धान्त है।

जिसकी हारने की तैयारी है वो एक दिन जीत सकेगा

मुनिश्री ने कहा कि जो व्यक्ति हारने की तैयारी नही कर सकता वो कभी जीत नही सकता है । गाड़ी चलाते है रोटी मिल रही है कभी रोटी नही मिल रही है। तब क्या तैयारी हैं। उपवास करनी की तैयारी है। हमे उपादेय तत्व को पाना है हमे उपादेय तत्व को नही समझना। हमें हेय तत्व को समझना है अच्छी तरह समझो अहितकरी को मित्र को समझने की आवश्यकता नही है दुश्मन को समझो महाराणा प्रताप को अपनी शक्तीयों पर विश्वास था लेकिन दुश्मन की शक्तियों को नहीं समझ पाये यदि दुश्मन की शक्तियो पर ध्यान नहीं कर पाये इसी कारण महाराणा प्रताप को युद्ध में हार देखनी पड़ी। मुनिश्री ने कहा कि जैनियों का पतन जब से आत्मा का ज्ञान हुआ वह परमात्मा के समान है सर्वशक्तिमान है तो मेरा कोई कौन क्या बिगाड़ सकता है?

7000 मीटर ऊंचाई तक पहुंचने वाले पैरा माउंटेनियर

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के पैरा माउंटेनियर अंशुल बंसल भले ही हिमस्खलन के चलते दुनिया की 8वीं सबसे ऊंची चोटी नेपाल के मनासलु बैस कैंप (8163 मीटर) पर सम्मिट नहीं मार पाएं, लेकिन 7 हजार मीटर से अधिक ऊंचाई तक पहुंचने वाले देश के पहले पैरा मेल माउंटेनियर का गौरव हासिल कर लिया है। अंशुल अपना दाहिना पैर कुछ साल पहले एक हादसे में गंवा चुके हैं। आर्टिफिशियल पैर के सहारे भी वें पहाड़ चढ़ने का साहस रखते हैं। गौरतलब है कि मनासलु के लिए नेपाल गवर्नमेंट की और से इस साल दुनिया भर के 405 क्लाइंबर्स को परमिट मिला था, इन सभी ने 7 सितंबर को चढ़ाई शुरू की थी। इस चढ़ाई के दौरान हिमस्खलन के चलते करीब 8 शेरपा की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

अग्रवाल डायमंड पर प्रत्येक ज्वेलरी की खरीद पर ग्राहकों को आकर्षक एवं शानदार उपहार

कोटा. शाबाश इंडिया

हाडोती में प्रसिद्ध अग्रवाल डायमंड एंड ज्वेलर्स चौपाटी बाजार कोटा के शोरूम में लेटेस्ट व अत्याधुनिक डिजाइंस में सोने की चैन, एवं आकर्षक व लेटेस्ट डिजाईन में सोने की चूड़िया और कंगन को ग्राहकों को पेश कर अग्रवाल डायमंड एंड ज्वेलर्स ने पुरे हाडोती के सराफे को काफी पीछे छोड़ कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पिछले दिनों अग्रवाल डायमंड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ को हाड़ोती में रियल डायमंड एक्सपर्ट का खिताब मिला है। सर्राफा के इतिहास में पहली बार न सिर्फ महिलाओ और युवतियों के लिए वरन पुरुषो के लिए भी डिजाईन में सोने की चेन सिर्फ अग्रवाल डायमंड एंड ज्वेलर्स में। अग्रवाल डायमंड एंड ज्वेलर्स संचालक

शोरूम पर वास्तविक हीरे की आभूषणों को खरीदने पर सोने का सिक्का मुफ्त में दिया जा रहा है...

श्रीमती माधुरी जैन सर्राफ ने बताया कि त्योहारी सीजन को देखते हुए शोरूम पर वास्तविक हीरे की आभूषणों को खरीदने पर सोने का सिक्का मुफ्त में दिया जा रहा है एवं हॉलमार्क सोने की ज्वेलरी की प्रत्येक खरीद पर शानदार उपहार दिया जा रहा है। पुराने सोने को 0% कटौती के साथ 100% एक्सचेंज मूल्य प्राप्त कर, बिल्कुल नई ज्वेलरी ली जा सकती है। श्रीमती माधुरी जैन सर्राफ ने आगे बताया की हमारे शोरूम की सबसे खास बात यह है की अपने ग्राहकों का विश्वास सिर्फ शुद्धता और रेंज की वजह से नहीं जीता है , बल्कि अग्रवाल डायमंड एंड ज्वेलर्स पर हॉलमार्क सोने और रियल डायमंड की शुद्धता और वाजिब कीमत पर मिलने के विश्वास का आधार ग्राहकों को सोने और रियल डायमंड की शुद्धता को समझने ,जानने और कसौटी पर परखने के लिए जागरूक और शिक्षित बनाने का अभियान भी विज्ञापन के माध्यम से प्रसारित करवाया जाता रहता है ! जो आज तक सर्राफा दुकानों के इतिहास में किसी भी शोरूम ने नहीं किया ।

जैन समाज एसएफएस के श्रावकों ने नेवटा जैन मंदिर मे अभिषेक पूजा की

जयपुर. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज एसएफएस के श्रावको ने रविवार 16 अक्टूबर को प्रातः नेवटा दिगंबर जैन मंदिर में शांति धारा अभिषेक वह भगवान पदम प्रभु की भक्ति भाव से पूजा अर्चना कर धर्म की। भगवान पदम प्रभु के प्रथम अभिषेक एवं शांति धारा का कैलाश ,विमल, विपुल छाबड़ा गायत्री नगर वालों को पुण्य लाभ मिला। सौभाग मल जैन, मनोज लुहाडिया, राजेंद्र एसडीसी, सुनील बज, चंद्रप्रकाश छाबड़ा, नरेंद्र शाह, वीरेंद्र गदिया, इंदर चंद बाकलीवाल, रजनीकांत, विजेंद्र सेठी, नरेंद्र छाबड़ा, धूपचंद तथा सभी पधारे हुए भक्त जनों ने अभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त किया ।

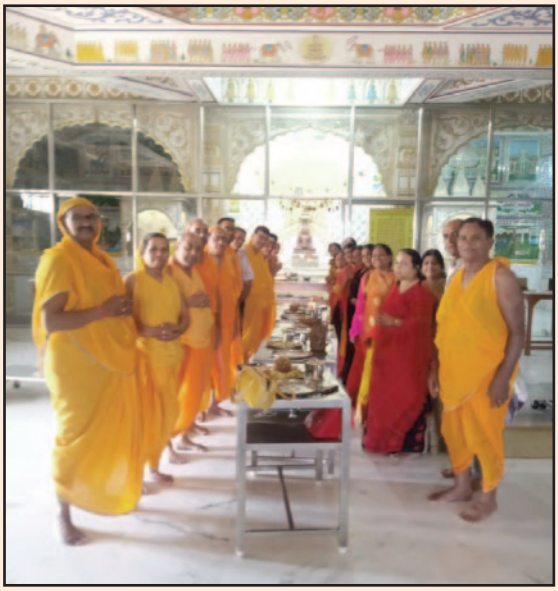

दुनिया में भोजन की बर्बादी और भुखमरी गंभीर चुनौती

विजय कुमार जैन पत्रकार राघौगढ़
जिला गुना म.प्र.पिन 473226
मोबाइल: 9425137456
ई मेल :-
vijayjainpatrakar@gmail.com

विश्व खाद्य दिवस का शुभारंभ 16 अक्टूबर 1945 को हुआ। 22 अक्टूबर 2022 को इस दिवस की 77 वीं वर्षगांठ है। प्रति वर्ष 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। विश्व खाद्य दिवस दुनिया के लगभग 150 देशों में भुखमरी एवं निर्धनता हेतु जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को यह समझाना भी है कि भोजन एक बुनियादी और मौलिक मानव अधिकार है। दुनिया भर के 23% भूखे लोग भारत में रहते हैं। विश्व खाद्य दिवस की 2022 की थीम ''किसी को पीछे ना छोड़े'' है। दुनिया में प्रतिदिन भोजन की बर्बादी और भुखमरी की विकराल समस्या को ध्यान में रखकर हर वर्ष विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। मगर यह समस्या कम नहीं हुई है। दुनिया में 80 करोड़ से अधिक लोग भुखमरी के बोझ को अभिशाप मान रहे हैं। अनगिनत भूख से पैदा हुई गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे है। वही अगर अरबों टन भोजन बर्बाद होता है तो सोचना होगा हम कैसी सभ्यता का सृजन कर रहे हैं। दुनिया भर में करोड़ों लोग ऐसे हैं जिनके घरों में शाम को चूल्हा नही जलता बच्चों के मूँह में निवाला नहीं जाता और दूसरी ओर मानव सभ्यता का सिर शर्म से झुका देने वाला तथ्य यह है कि हर वर्ष 750 अरब अर्थात 47 लाख करोड़ का भोजन बर्बाद होता है। हर वर्ष भोजन उत्पाद का 50 प्रतिशत भाग सड़ता, गलता, फैंका और बहाया जाता है। दुनिया भर में जो भोजन बर्बाद होता है उसके उत्पादन में कृषि योग्य 28 प्रतिशत जमीन का उपयोग होता है। और एक वर्ष में रूस की वोल्गा नदी में जितना पानी बहता है उतना सिचाई में लग जाता है। भारत में अनाज, दालें, फल, सब्जियों के कुल उत्पादन का 40 प्रतिशत बर्बाद होता है, जिसका बाजार मूल्य 50 हजार करोड़ रुपये है। इसमें मीट की बर्बादी मात्र 4 प्रतिशत है लेकिन इससे आर्थिक नुकसान 20 प्रतिशत होता है। विश्व भोजन बर्बादी में 3-3 अरब टन ग्रीन हाउस गैसें निकलती हैं, जिसमें मिथेन गैस सर्वाधिक निकलती है। संयुक्त राष्ट्र संघ की अबाँइडिंग फ्यूचर फेमाइन्स की ओर से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में लगभग एक तिहाई भोज्य उत्पाद मनुष्य के मूँह तक नहीं पहुँच पाते। वह या तो रास्ते में रखरखाव ठीक से नहीं होने के कारण बर्बाद हो जाते है या उपभोक्ता उन्हें स्वयं ही नष्ट कर देते हैं। संयुक्त पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्ट फूड वेस्टेज फुटप्रिंट, इम्पेक्ट आँन रिसोर्सेज ने यह जानकारी दी है कि हर वर्ष विश्व भर में लगभग 1.3 अरब टन भोजन की बर्बादी होती है। विगत वर्षों संयुक्त राष्ट्र संघ ने यह आंकड़ा विश्व पर्यावरण दिवस पर जारी किया जिसकी थीम सोचो खाओ और बचाओ थी। उत्तरी अमेरिका और यूरोप के उपभोक्ता हर वर्ष लगभग 20-20 करोड़ टन भोजन कूड़ेदान के हवाले कर देते हैं। जबकि अफ्रीका सहारा उपक्षेत्र का कुल उत्पादन ही 20.30 करोड़ टन है। यह आंकड़े स्वीडिस फूड एंड वायोटेक्नोलाजी और फूड एंड एग्रीकल्चर आगेर्नाइजेशन के अध्ययन पर आधारित है। अध्ययन में यह कहा गया है कि भोजन की यह बर्बादी खेतों से खाने की थाली में पहुंचने की प्रक्रिया में होने बाली गड़बड़ का परिणाम है। विकसित और विकासशील देशों में भोजन बर्बादी के अलग-अलग स्वरूप है भारत जैसे विकासशील देशों में खराब प्रबंधन, पुरानी तकनीकी और अपर्याप्त असुरक्षित संरक्षण के कारण अनाज खेत से गोदाम के बीच सड़ता है। विकसित देशों में विकसित देशों में यह बर्बादी खाना बनाने के बाद होती है। पड़ौसी देश पाकिस्तान में भी रखरखाव की कमी के कारण कुल उत्पादन का 16 प्रतिशत यानि 30 टन से अधिक अनाज लोगों तक नहीं पहुंच पाता जबकि वहाँ की जनसंख्या का 36 प्रतिशत गरीबी की रेखा के नीचे है। 40 प्रतिशत बच्चे कुपोषण से ग्रस्त है। एशिया लेटिंग और यूरोप एशिया के औद्योगिक क्षेत्र यूरोप दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया में सब्जियों और मांस उत्पादों की 68 प्रतिशत बर्बादी धनान्य देशों में होती है। अमेरिकी 25 प्रतिशत भोजन फेंकते हैं और यूरोपियन एक तिहाई फेंकते इसलिये है कि खाने से ज्यादा खरीद लेते हैं। इसी स्थिति में विचाराधीन प्रश्न यह है कि भोजन बर्बाद होता है और लोग भूखे रहते हैं। भोजन फेंकने से पर्यावरणीय समस्याएं बढ़ती हैं। पानी खाद का अपव्यय होता है। मानव श्रम का अपमान होता है। स्वयंसेवी संगठन द हंगर प्रोजेक्ट के अनुसार दुनिया के लगभग 80.7 करोड़ लोग भुखमरी के शिकार है 98 प्रतिशत पीड़ित भारत जैसे विकासशील के नागरिक है। हर वर्ष भारत में उतना गेहूं बर्बाद होता है जितनी आस्ट्रेलिया की वार्षिक पैदावार है। इससे वार्षिक कृषि लाभ में 50 हजार करोड़ का नुक्सान होता है और इससे 30 करोड़ लोगों के भोजन की पूर्ति हो सकती है। 2.1 करोड़ टन अनाज हर वर्ष इस कारण सड़ गल जाता है कि उसे सुरक्षित रखने के लिये कोल्ड स्टोरेज और सुव्यवस्थित कार्य योजना नहीं है। उत्पादन से उपभोक्ता तक पहुंचने सब्जियों और फलों का 40 प्रतिशत रेफ्रिजरेटर वाहनों की कमी, खराब सड़क, गड़बड़ मौसम और भृष्टाचार की वजह से कचरे के ढ़ेर में चला जाता है। एक वर्ष में भारत का प्रति व्यक्ति 6-11 किलो भोजन बर्बाद करता है। जबकि अमेरिका में यह आँकड़ा 95-111 किलो है। कृषकों की एक और समस्या है उनकी फसलें एवं सब्जियां अधिक वर्षा, ओलावृष्टिएवं अधिक ठंड में पाला पड़ने से नष्ट हो जाती हैं। विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर हम गंभीरता से विचार करें बर्बाद हो रहे भोजन को बचाया जाये जो बड़ी विश्व जनसंख्या का पेट भरने के लिये पर्याप्त है इससे हम अनाज के अतिरिक्त उत्पादन के भार से बचेंगे, भूमि, जल, पर्यावरण और श्रम को नष्ट होने से बचायेंगे। दुनिया में रही भोजन की बर्बादी रोकने गंभीरता से प्रयास आवश्यक है। उत्पादन से उपभोक्ता तक पहुंचने की प्रक्रिया ठीक हो, सरकार रेफ्रिजरेटर वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था करे और पैदावार को सुरक्षित रखने की संरचना को विकसित करे। विकाशील देशों में भोजन की बर्बादी का दूसरा बड़ा कारण होटल और सामुहिक भोज आयोजन है। इसका सरल उपाय है अन्य व्यवस्थाओं के साथ ऐसे व्यक्तियों, संस्थाओं से भी संपर्क किया जाये जो जरूरतमंदों को भोजन वितरण के कार्य में जुटे हैं। गरीबी, भूख और भोजन की गहरी गुत्थी है जिसको हल किया जाना तत्काल आवश्यक है।

☆★☆

'आशानुरक्ति' में दिखेंगे कथक और लोक नृत्यों के विविध रंग

बिड़ला ऑडिटोरियम में आज 17 अक्टूबर को होगा कार्यक्रम। जानी-मानी कथक नृत्यांगना अदिति सोगानी सहित अनेक कलाकार देंगे प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज 17 अक्टूबर को शाम 7.00 बजे से बिड़ला ऑडिटोरियम में कथक और लोक नृत्यों का विशेष समारोह ''आशानुरक्ति'' आयोजित किया जाएगा। आयोजक हिमांशु सोगानी ने बताया कि ये कार्यक्रम नृत्यांगना की ओर से समाज सेवी आशा देवी रांवका को समर्पित किया जाएगा। इस समारोह में प्रदेश की जानी-मानी कथक नृत्यांगना और कथक गुरू अदिति सोगानी सहित शहर के 4 से लेकर 60 वर्ष तक के कलाकारों द्वारा कथक नृत्य की विशेष रचनाएं पेश की जाएंगी। खास बात ये है कि इन कलाकारों के साथ विभिन्न क्षेत्रों की कई जानी-मानी हस्तियां भी अपने भीतर छिपी नृत्य कला का प्रदर्शन करेंगी। समारोह में कथक रचनाओं के अतिरिक्त प्रदेश के अनेक लोक नृत्य भी पेश किए जाएंगे।

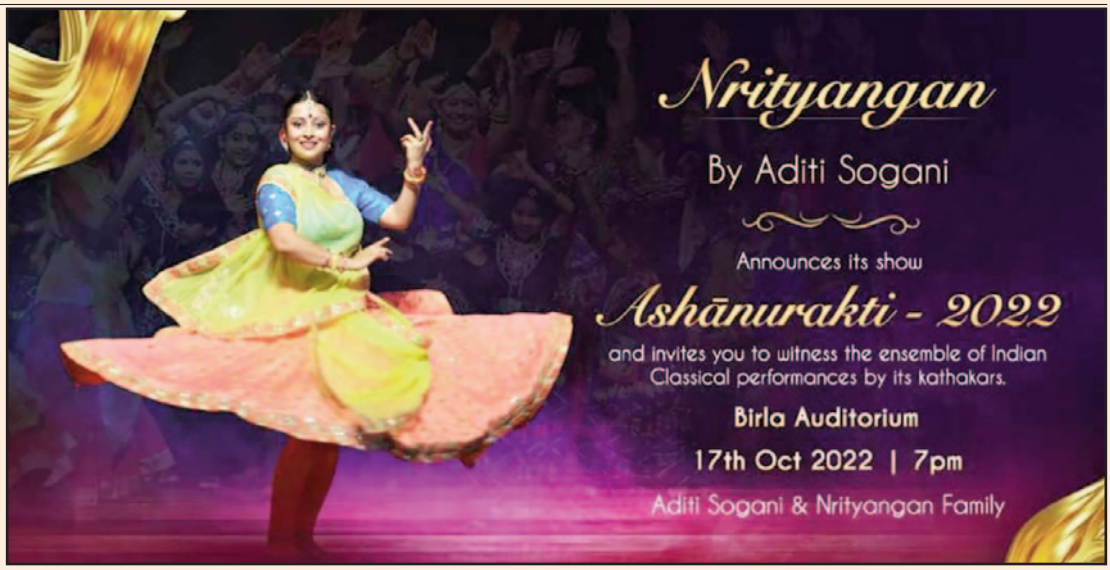

स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े कार्यकर्ता सम्मानित

नेहरू युवा केंद्र ने स्मृति चिन्ह किया भेंट

चौमूं. कासं। चौमूं के फतेहपुरा बांसा गांव में नेहरू युवा केंद्र की ओर से स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन सोश्यल ग्रूप कोटा को मिला भामाशाह सम्मान

कोटा. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रूप कोटा को महात्मा गांधी वोकेशनल स्कूल में टिन शेड लगवाने को लिए ज़िला स्तरीय भामाशाह सम्मान प्रप्त हुआ। यह सम्मान ग्रूप अध्यक्ष डा समीर सपना मेहता को मुख्य अतिथि अमित धारीवाल द्वारा दिया गया। सचिव गरिमा शैलेश गोधा ने बताया की टिन शेड निर्माण में दो लाख की लागत मे ग्रुप के सभी सदस्यों के सहयोग से एकत्र की गई थी।